कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (85) खण्ड - {169}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बाबा आए हैं तुम्हें -

A- खुशबूदार फूल बनाने

B- काँटों से फूल बनाने

C- किंग आफ फ्लॉवर बनाने

D- रूहे गुलाब बनाने

प्रश्न 2- योगी व ज्ञानी आत्मा का स्वरूप है ?

A- संतुष्ट एवं प्रसन्न

B- गंभीर एवं रमणीक

C- निर्भयता एवं नम्रता

D- लव फुल और लॉ फुल

प्रश्न 3- परमात्म प्यार प्राप्त करने की विधि है -

A- न्यारा बनना

B- बाप की आज्ञा पर चलना

C- बाप पर पूरा बलिहार जाना

D- आलराउंड सेवाधारी बनना

प्रश्न 4- बच्चे अपना बहुत बड़ा नुकसान करते हैं ?

A- जो समय व्यर्थ गंवाते हैं

B- डिस सर्विस करते हैं

C- पढ़ाई मिस करते हैं

D- बाबा का बन कर भागन्ती हो जाते हैं

प्रश्न 5- समय को सफल करो तो -

A- माया के धोखे से बच जाएंगे

B- सफलता के सितारे बन जाएंगे

C- मंजिल पर पहुंच जाएंगे

D- समय के धोखे से बच जाएंगे

प्रश्न 6- कौन अक्सर कर के पूछती हैं बाबा घर में गीता पाठशाला खोलें-

A- गोपियाँ

B- कुमारियां

C- माताएं

D- बच्चियाँ

प्रश्न 7- ब्राह्मणी बनना है बहुत सहज ?

A- 8 दिन में बन सकती है

B- याद में मेहनत है

C- 10 -15 दिन में बन सकती है

D- एक महीने में ही बन सकती है

प्रश्न 8- विकारों का अंश समाप्त करने के लिए कौन-सा पुरुषार्थ करना है ?

A- आत्मा भाई भाई का

B- निरंतर याद में रहने का

C- कमल फूल समान पवित्र बनने का

D- निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरुषार्थ

प्रश्न 9- पुरानी दुनिया खत्म होनी है इसलिए -

A- अपना समय सफल करना।

B- मोह की रगें तोड़ देनी हैं।

C- अपनी चलन बहुत-बहुत रॉयल रखनी है।

D- जितना समय मिले एकान्त में बैठ बाप को याद करना है।

प्रश्न 10- तुम्हारी याद की यात्रा कब पूरी होगी -

A- जब विनाश शुरू होगा

B- जब तुम कर्मातीत बन जाएंगे

C- जब तुम मंजिल पर पहुंच जाएंगे

D- जब तुम संपूर्ण बन जाएंगे

प्रश्न 11- मुख्य चित्र है -

A- श्री लक्ष्मीनारायण का

B- गोले का

C- त्रिमूर्ति का

D- श्री कृष्ण का

प्रश्न 12- फायदा है -

A- श्रीमत पर चलने से

B- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने में

C- पढ़ाई से

D- याद की यात्रा पर

प्रश्न 13- कोई भी याद में बहुत कच्चे हैं यह हम कैसे समझे ?

A- चेहरे और चलन से

B- मैनर्स से

C- सर्विस का उमंग नहीं है तो

D- झट देह-अभिमान आ जाता है तो

प्रश्न 14- लास्ट में फास्ट जाना है तो-

A- अविनाशी धन का दान

B- कभी मतलब से याद नहीं करते रहो

C- अलबेलापन में नहीं आना

D- साधारण और व्यर्थ संकल्पों में समय नहीं गंवाओ।

प्रश्न 15- अच्छी मेहनत करते हैं

A- 8

B- 108

C- 16000

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 16- मुरली में भी ताकत कब मिलती है-

A- विचार सागर मंथन करने से

B- याद में रहने से

C- आत्मिक दृष्टि से

D- निमित्त भाव से

भाग (85) खण्ड {169} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.किंग ऑफ फ्लॉवर बनाने*

बाबा आये हैं तुम्हें किंग ऑफ फ्लावर बनाने, इसलिए विकारों की कोई भी बदबू नहीं होनी चाहिए अन्दर में यह चलता रहे - हम अब नई दुनिया के फूल बन रहे हैं। अक का वा टांगर का फूल नहीं बनना है। हमको तो एकदम किंग ऑफ फ्लावर बिल्कुल खुशबूदार बनना है। कोई बदबू न रहे। बुरे ख्यालात निकल जाने चाहिए।

उत्तर 2- *C.निर्भयता एवं नम्रता*

स्लोगन:- *निर्भयता और नम्रता ही योगी व ज्ञानी आत्मा का स्वरूप है।*

उत्तर 3- *A.न्यारा बनना*

परमात्म प्यार आनंदमय झूला है, इस सुखदाई झूले में झूलते सदा परमात्म प्यार में लवलीन रहो तो कभी कोई परिस्थिति वा माया की हलचल आ नहीं सकती। परमात्म-प्यार अखुट है, अटल है, इतना है जो सर्व को प्राप्त हो सकता है लेकिन *परमात्म-प्यार प्राप्त करने की विधि है - न्यारा बनना।* जितना न्यारा बनेंगे उतना परमात्म प्यार का अधिकार प्राप्त होगा।

उत्तर 4- *D.निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरुषार्थ*

निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरुषार्थ करो। अन्तर्मुख अर्थात् सेकण्ड में शरीर से डिटैच। इस दुनिया की सुध-बुध बिल्कुल भूल जाए। एक सेकण्ड में ऊपर जाना और आना। *इस अभ्यास से विकारों का अंश

समाप्त हो जायेगा।* कर्म करते-करते बीच-बीच में अन्तर्मुखी हो जाओ, ऐसा लगे जैसे बिल्कुल सन्नाटा है।

उत्तर 5- *C.पढ़ाई मिस करते हैं*

जो किसी भी कारण से मुरली (पढ़ाई) मिस करते हैं, वह अपना बहुत बड़ा नुकसान करते हैं। कई बच्चे तो आपस में रूठ जाने के कारण क्लास में ही नहीं आते। कोई न कोई बहाना बनाकर घर में ही सो जाते हैं, इससे वे अपना ही नुकसान करते हैं क्योंकि बाबा तो रोज़ कोई न कोई नई युक्तियाँ बताते रहते हैं, सुनेंगे ही नहीं तो अमल में कैसे लायेंगे।

उत्तर 6- *D.समय के धोखे से बच जाएंगे*

स्लोगन:- *समय को सफल करते रहो तो समय के धोखे से बच जायेंगे।*

उत्तर 7- *C.माताएं*

वह पढ़ाई तो है पाई पैसे की, शरीर निर्वाह अर्थ। यह तो है 21 जन्मों के लिए। कितनों का कल्याण हो जायेगा। *अक्सर करके मातायें भी पूछती हैं कि बाबा घर में गीता पाठशाला खोलें?* उन्हों को ईश्वरीय सेवा का शौक रहता है। पुरुष लोग तो इधर-उधर क्लब आदि में घूमते रहते हैं। साहूकारों के लिये तो यहाँ ही स्वर्ग है।

उत्तर 8- *C. 10-15 दिन में बन सकती है*

बाबा ब्राह्मणियों को हमेशा कहते हैं कच्चे-कच्चे को मत ले आओ। तुम्हारी अवस्था भी गिर पड़ेगी क्योंकि बेकायदे ले आये। वास्तव में *ब्राह्मणी बनना है बहुत सहज। 10-15 दिन में बन सकती है।* बाबा किसको भी समझाने की बहुत सहज युक्ति बताते हैं।

उत्तर 9- *B.मोह की रगें तोड़ देनी हैं*

अपनी चलन बहुत-बहुत रॉयल रखनी है, बस अब घर जाना है, *पुरानी दुनिया खत्म होनी है इसलिए मोह

की रगें तोड़ देनी हैं।* वानप्रस्थ (वाणी से परे) अवस्था में रहने का अभ्यास करना है। अधमों का भी उद्धार करने की सेवा करनी है।

उत्तर 10- *C.जब तुम मंजिल पर पहुंच जाएंगे*

मीठे बच्चे - जितना समय मिले एकान्त में जाकर याद की यात्रा करो, *जब तुम मंजिल पर पहुँच जायेंगे तब यह यात्रा पूरी हो जायेगी*।

उत्तर 11- *C.त्रिमूर्ति*

एक तरफ नई दुनिया, एक तरफ पुरानी दुनिया - यह चित्र बड़ा अच्छा है। कहते भी हैं ब्रह्मा द्वारा स्थापना, शंकर द्वारा विनाश.... परन्तु समझते कुछ नहीं। *मुख्य चित्र है त्रिमूर्ति का।* ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा। तुम जानते हो - शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा हमको याद की यात्रा सिखला रहे हैं।

उत्तर 12- *B.अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने में*

देही-अभिमानी बनने की प्रैक्टिस करनी है। हम आत्मा इनको सौदा देते हैं। हम आत्मा व्यापार करते हैं। *अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने में ही फायदा है।* आत्मा को ज्ञान है हम यात्रा पर हैं। कर्म तो करना ही है। बच्चों आदि को भी सम्भालना है। धंधा धोरी भी करना है। धन्धे आदि में याद रहे हम आत्मा हैं।

उत्तर 13- *D.झट देह-अभिमान आ जाता है तो*

यह भूलना नहीं चाहिए। हम आत्मा को जो नॉलेज मिलती है, फिर हम दूसरी आत्माओं को देते हैं। यह याद तब ठहरेगी जब अपने को आत्मा समझ बाप की याद में रहेंगे। *याद में बहुत कच्चे हैं, झट देह-अभिमान आ जाता है।* देही-अभिमानी बनने की प्रैक्टिस करनी है।

उत्तर 14- *D.साधारण और व्यर्थ संकल्पों में समय नहीं गंवाओ*

स्लोगन:- *लास्ट में फास्ट जाना है तो साधारण और व्यर्थ संकल्पों में समय नहीं गंवाओ।*

उत्तर 15- *D. A और B*

माला तो बड़ी बनती है। *उसमें 8-108 अच्छी मेहनत करते हैं।* नम्बरवार तो बहुत हैं, जो अच्छी मेहनत करते हैं। रूद्र यज्ञ होता है तो सालिग्रामों की भी पूजा होती है। जरूर कुछ सर्विस की है तब तो पूजा होती है। तुम ब्राह्मण रूहानी सेवाधारी हो। सबकी आत्माओं को जगाने वाले हो।

उत्तर 16- *B.याद में रहने से*

याद में नहीं रहेंगे तो मुरली में भी वह ताकत नहीं रहेगी। ताकत मिलती है शिवबाबा की याद में। याद से ही सतोप्रधान बनेंगे, नहीं तो सज़ायें खाकर फिर कम पद

पा लेंगे। मूल बात है याद की, जिसको ही भारत का प्राचीन योग कहा जाता है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (85) खण्ड - {170}

प्रश्न 1- एक तो पवित्र बनना है और याद में रहना है तब -

A- सदा हल्का रहेंगे

B- शक्ति मिलती है

C- आशीर्वाद मिलेगी

D- धारणा भी अच्छी होगी

प्रश्न 2- अविनाशी ज्ञान रत्न धारण कर अब तुम्हें क्या बनना है ?

A- फकीर से अमीर

B- मनुष्य से देवता

C- कौड़ी से हीरे तुल्य

D- पत्थर बुद्धि से पारस बुद्धि

प्रश्न 3- अमरनाथ बाप आकर आत्माओं को क्या बनाते हैं ?

A- अमर

B- ज्ञानी

C- पवित्र

D- आप समान

प्रश्न 4- क्रिश्चियन आते हैं -

A- द्वापर के शुरू में

B- द्वापर के अंत में

C- द्वापर के मध्य में

D- कलयुग के शुरू में

प्रश्न 5- असुर किनको कहा जाता है ?

A- आसुरी स्वभाव वालों को

B- विकारों को

C- यज्ञ में विघ्न डालने वालों को

D- नास्तिक को

प्रश्न 6- सर्व विकर्मों की जड़ क्या है ?

A- विकार

B- संस्कार

C- अच्छे और बुरे कर्म

D- देह-अभिमान

प्रश्न 7- बड़े से बड़ा विकर्म है -

A- देह-अभिमानी बनना

B- बाप का नाम बदनाम करना

C- काम कटारी चलाना

D- विकारी दृष्टि

प्रश्न 8- फलाने धर्म फलाने समय पर आते हैं, किस चित्र में क्लीयर है ?

A- सीढ़ी

B- गोला

C- झाड़

D- त्रिमूर्ति

प्रश्न 9- शिव को बबूल नाथ भी कहते हैं क्योंकि -

A- सभी आत्माओं की गति सद्गति करते हैं

B- सारी दुनिया को हेल से हेवन बनाते हैं

C- काम कटारी से छुड़ा पावन बनाते हैं

D- पत्थर बुद्धि को पारस बुद्धि बनाते हैं

प्रश्न 10- श्रीकृष्ण जन्म कब लेंगे ?

A- संगमयुग पर

B- अनेक धर्मों का विनाश होने बाद

C- यह पढ़ाई पूरी होगी तो

D- B और C

प्रश्न 11- बाप माताओं पर ज्ञान का कलष क्यों रखते हैं ?

A- माताओं को ऊंचा उठाते हैं

B- पवित्रता की राखी बांध सबको पतित से पावन बनाने के लिए

C- मातायें भोली होती हैं

D- मातायें अक्सर गरीब होती हैं

प्रश्न 12- पावन बनने की प्रतिज्ञा कौन लेते हैं ?

A- ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियाँ

B- बाप

C- गुरू

D- ब्रह्मा बाबा और बच्चे

प्रश्न 13- यहाँ स्त्री पुरूष पवित्र बनते है दोनों इकट्ठे रहते पवित्र बनते हैं ?

A- आत्मिक स्मृति से

B- ज्ञान से

C- याद की शक्ति से

D- धारणा से

प्रश्न 14- कौन-सा मंत्र याद रखो तो पाप कर्मों से बच जायेंगे ?

A- आत्मा भाई भाई

B- मध्याजीभव

C- हियर नो ईविल, सी नो ईविल

D- मन्मनाभव

प्रश्न 15- लोहे समान आत्मा को पारस बनाने वाले तुम कौन हो ?

A- मास्टर मुक्तिदाता

B- विश्व कल्याणकारी

C- रियल गोल्ड

D- मास्टर पारसनाथ

प्रश्न 16- बाबा कहते थे विद्युत मंडली वालों को समझाओ, यह मंडली कहाँ की है-

A- काशी

B- बनारस

C- हरिद्वार

D- उज्जैन

भाग (85) खण्ड {170} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.शक्ति मिलती है*

अब जैसे बाप सर्व शक्तिमान् है, तुम्हारी आत्मा को भी शक्तिवान बनाते हैं। *एक तो पवित्र बनना है और याद में रहना है तब शक्ति मिलती है।* बाप से शक्ति का वर्सा लेते हो। पाप आत्मा तो शक्ति ले न सके। पुण्य आत्मा बनते हैं तो शक्ति मिलती है।

उत्तर 2- *A.फकीर से अमीर*

अविनाशी ज्ञान रत्न धारण कर अब तुम्हें फकीर से अमीर बनना है, तुम आत्मा हो रूप-बसन्त तुम अमीर थे, अभी फकीर बने हो। यह किसको भी पता नहीं कि हम अमीर थे, तुम ब्राह्मण जानते हो - हम विश्व के मालिक अमीर थे। अमीरचन्द से फकीरचन्द बने हैं।

उत्तर 3- *A.अमर*

हम आत्मा हैं, जबसे रावण राज्य हुआ है तो मनुष्य देह-अभिमान में आ गये हैं। मैं शरीर हूँ, यह पक्का हो जाता है। आत्मा तो अमर है। *अमरनाथ बाप आकर आत्माओं को अमर बनाते हैं।* वहाँ तो अपने समय पर अपनी मर्जी से एक शरीर छोड़ दूसरा लेते हैं क्योंकि आत्मा मालिक है। जब चाहे शरीर छोड़े।

उत्तर 4- *C.द्वापर के मध्य में*

तुम हो आलराउन्ड पार्टधारी। आदि से अन्त तक पार्ट और कोई का है नहीं। तुमको ही बाप समझाते हैं। फिर तुम यह भी समझते हो कि दूसरे धर्म वाले फलाने-फलाने समय पर आते हैं। तुम्हारा तो आलराउन्ड पार्ट है। *क्रिश्चियन के लिए तो नहीं कहेंगे कि सतयुग में थे। वह तो द्वापर के भी बीच में आते हैं।

उत्तर 5- *A.आसुरी स्वभाव वाले को*

बाप तो आकर तुम्हें राजयोग सिखाते हैं, न कि चक्र से असुरों का घात करते हैं। *असुर उनको कहा जाता, जिनका आसुरी स्वभाव है।* बाकी मनुष्य तो मनुष्य हैं ना। ऐसे नहीं स्वदर्शन चक्र से बैठ सबको मारते हैं। भक्ति मार्ग में क्या-क्या चित्र बैठ बनाये हैं। रात-दिन का फ़र्क है।

उत्तर 6- *D.देह-अभिमान*

सर्व विकर्मों की जड़ देह-अभिमान है, उस देह-अभिमान में कभी न आयें, यह ध्यान रखना है। इसके लिए बार-बार देही-अभिमानी बन बाप को याद करना है। अच्छे और बुरे का फल जरूर मिलता है, अन्त में विवेक खाता है। लेकिन इस जन्म के पापों के बोझ को हल्का करने के लिए बाप को सच-सच सुनाना है।

उत्तर 7- *A.देह-अभिमानी बनना*

अन्त घड़ी विवेक फिर बहुत खाता है। हमने यह-यह पाप किये हैं। सब याद आता है। जैसा कर्म वैसा जन्म मिलेगा। अभी तुम विकर्मा-जीत बनते हो तो कोई भी ऐसा विकर्म नहीं करना चाहिए। *बड़े ते बड़ा विकर्म है देह-अभिमानी बनना।* बाबा बार-बार कहते हैं देही-अभिमानी बन बाप को याद करो, पवित्र तो रहना ही है।

उत्तर 8- *B.गोला*

यह जैसे गोला है, इसमें क्लीयर है फलाने-फलाने धर्म फलाने-फलाने समय पर स्थापन होते हैं। तो यह गोला भी होना चाहिए इसलिए मुख्य 12 चित्रों के कैलेन्डर्स भी छपवा सकते हो जिसमें सारा ज्ञान आ जाए और सर्विस सहज हो सके। यह चित्र बिल्कुल ज़रूरी है। कौन-से चित्र बनाने हैं, क्या-क्या प्वाइंट लिखनी चाहिए। वह बैठ लिखो।

उत्तर 9- *C.काम कटारी से छुड़ा पावन बनाते हैं*

ईश्वर बाप खुद आकर सारे विश्व को चेंज कर देते हैं। हेल से हेविन बनाते हैं। जिस पर फिर तुम राज्य करते हो। *शिव को बबुलनाथ भी कहते हैं क्योंकि वह आकर तुमको काम कटारी से छुड़ाए पावन बनाते हैं।* भक्ति मार्ग में तो बहुत शो है, यहाँ तो शान्त में याद करना है।

उत्तर 10- D. *B और C*

तुम जानते हो श्रीकृष्ण की आत्मा ने 84 का चक्र लगाया है। अब फिर श्रीकृष्ण के नाम-रूप में आ रही है। चित्र में दिखाया है - पुरानी दुनिया को लात मार रहे हैं। नई दुनिया हाथ में है। अभी पढ़ रहे हैं इसलिए कहा जाता है - श्रीकृष्ण आ रहे हैं। जरूर बाप बहुत जन्मों के अन्त में ही पढ़ायेंगे। *यह पढ़ाई पूरी होगी तो श्रीकृष्ण जन्म लेंगे। बाकी थोड़ा टाइम है पढ़ाई का। जरूर अनेक धर्मों का विनाश होने बाद श्रीकृष्ण का जन्म हुआ होगा।*

उत्तर 11- *B.पवित्रता की राखी बांध सबको पतित से पावन बनाने के लिए*

*पवित्रता की राखी बांध सबको पतित से पावन बनाने के लिए बाप माताओं पर ज्ञान का कलष रखते हैं। * रक्षाबन्धन का भी भारत में ही रिवाज़ है। बहन भाई को राखी बांधती है। यह पवित्रता की निशानी है। बाप कहते हैं बच्चे तुम मामेकम् याद करो तो पावन बन पावन दुनिया के मालिक बन जायेंगे।

उत्तर 12- *B.बाप*

तुम पावन बनना चाहते हो तो पतित-पावन बाप को याद करो। द्वापर से लेकर तुम पतित बनते आये हो, अब सारी दुनिया पावन चाहिए, वह तो बाप ही बना सकते हैं। सर्व का गति-सद्गति दाता कोई मनुष्य हो नहीं सकता। *बाप ही पावन बनने की प्रतिज्ञा लेते हैं।*

उत्तर 13- *A.आत्मिक स्मृति से*

अब हियर नो ईविल..... किसको कहा जाता है? आत्मा को। आत्मा ही कानों से सुनती है। बाप ने तुम बच्चों को स्मृति दिलाई है कि तुम आदि सनातन देवी-देवता धर्म वाले थे, चक्र खाकर आये अब फिर तुमको वही बनना है। *यह मीठी आत्मिक स्मृति आने से पवित्र बनने की हिम्मत आती है।*

उत्तर 14- *C.हियर नो ईविल,सी नो ईविल*

बाप ने मंत्र दिया है - हियर नो ईविल, सी नो ईविल..... यही मंत्र याद रखो। तुम्हें अपनी कर्मेन्द्रियों से कोई पाप नहीं करना है। कलियुग में सबसे पाप कर्म ही होते हैं इसलिए बाबा यह युक्ति बताते हैं, पवित्रता का गुण धारण करो - यही नम्बरवन गुण है।

उत्तर 15- *D.मास्टर पारसनाथ*

आप सब पारसनाथ बाप के बच्चे मास्टर पारसनाथ हो - तो कैसी भी लोहे समान आत्मा हो लेकिन आप के संग से लोहा भी पारस बन जाए। यह लोहा है - ऐसा कभी नहीं सोचना। पारस का काम ही है लोहे को पारस बनाना।

उत्तर 16- *B.बनारस*

भगवान ने आकर राजयोग सिखाया, उसका नाम गीता रखा है। परन्तु गीता के भगवान को भूल गये हैं इसलिए बाबा घड़ी-घड़ी कहते रहते हैं मुख्य इस प्वाइंट

को ही उठाना है। *आगे बाबा कहते थे बनारस के विदुत मण्डली वालों को समझाओ।* बाबा युक्तियां तो बतलाते रहते हैं। फिर अच्छी रीति कोशिश करनी है।